भारत-चीन सीमा पर गुलजार हुआ कारोबार, 14000 फुट की ऊंचाई पर फिर शुरू हुआ लेन-देन, 38 व्यापारियों को मिला परमिट

नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच छह साल से बंद पड़ा सीमा व्यापार एक बार फिर शुरू हो गया है। सिक्किम में नाथू ला और हिमाचल प्रदेश में शिपकी ला दर्रे के रास्ते यह व्यापार फिर से बहाल हुआ। कोविड-19 महामारी और सीमा संबंधों में आए तनाव के कारण साल 2020 से यह व्यापार बंद था। समुद्र तल से 14,000 फुट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित इन रणनीतिक दर्रों से व्यापार की वापसी दोनों देशों के बीच संबंधों में एक नई सुबह का संकेत है। सिक्किम के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की सचिव कर्मा डी. युत्सो ने बताया कि पूर्वी सिक्किम स्थित नाथू ला में औपचारिक उद्घाटन समारोह में दोनों देशों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह मौसमी व्यापार नवंबर तक प्रत्येक सप्ताह सोमवार से गुरुवार के बीच चलेगा। इस साल 38 पंजीकृत व्यापारियों को व्यापार पास जारी किए गए हैं। इस मार्ग से हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, पारंपरिक धार्मिक सामग्री और रेडीमेड परिधान सहित 36 अधिसूचित वस्तुओं का व्यापार होगा। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, जिसमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के साथ-साथ पहली बार महिला आईटीबीपी प्लाटून भी नाथू ला में तैनात की गई है। गौरतलब है कि 1962 के युद्ध के बाद बंद हुआ यह दर्रा 2006 में चार दशक से अधिक समय बाद फिर से खोला गया था।

यूपीआई ने जुलाई में रचा नया कीर्तिमान, लेनदेन 23.66 बिलियन पार

मुंबई। भारत में डिजिटल पेमेंट की लहर लगातार मजबूत हो रही है। जुलाई 2026 में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने लेनदेन के सभी पुराने रिकार्ड तोड़ दिए, जब इसके माध्यम से कुल 23.66 बिलियन ट्रांजैक्शन हुए जिनकी कुल वैल्यू 29.88 ट्रिलियन रुपये दर्ज की गई। यह आंकड़ा अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है और जून महीने की तुलना में वाल्यूम में 4.1 फीसदी और वैल्यू में 3.3 फीसदी की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले लेनदेन की संख्या में 22 फीसदी और मूल्य में 19 फीसदी का उछाल आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि किसी खास मौसमी या बाहरी कारण से नहीं, बल्कि लोगों के रोजमर्रा के इस्तेमाल और डिजिटल भुगतान की बढ़ती स्वाभाविक आदत का परिणाम है। अब यूपीआई का दायरा सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी यह स्थानीय खरीदारी, बिल भुगतान और पैसे ट्रांसफर के लिए एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

न्यूज ब्रीफ

रोल्टा इंडिया समाधान योजना को एनसीएलएटी से हरी झंडी, दूरसंचार विभाग की चुनौती खारिज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कर्ज में डूबी रोल्टा इंडिया लिमिटेड की समाधान योजना को चुनौती देने वाली दूरसंचार विभाग (डीओटी) की याचिका खारिज कर दी है। न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया कि समाधान योजना को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और उसका क्रियान्वयन भी पूरा हो चुका है, ऐसे में इस स्तर पर इसमें हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। डीओटी ने रोल्टा इंडिया पर समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से संबंधित 469.09 करोड़ रुपए के बकाया लाइसेंस शुल्क का दावा करते हुए एनसीएलटी द्वारा मंजूर समाधान योजना को चुनौती दी थी। यह योजना एशडन प्रापर्टीज ने 900 करोड़ रुपए में पेश की थी। डीओटी का तर्क था कि समाधान योजना में सरकारी और वैधानिक संस्थाओं के साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया। एनसीएलएटी की पीठ ने एनसीएलटी के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि समाधान योजना अंतिम चरण में है और लागू हो चुकी है। न्यायाधिकरण ने पाया कि डीओटी ने समाधान पेशेवर द्वारा 469.09 करोड़ रुपए के दावे को अस्वीकार्य लेकिन आकस्मिक श्रेणी में रखे जाने को समय पर चुनौती नहीं दी, बल्कि एनसीएलटी के बजाय दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीसैट) चला गया, जिससे उसका दावा कमजोर पड़ गया। एनसीएलएटी ने जोर दिया कि एक बार समाधान योजना को मंजूरी और सफल क्रियान्वयन के बाद, पुराने मुद्दों को फिर नहीं उठाया जा सकता। पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि सफल आवेदक को अघोषित देनदारियों का बोझ नहीं दिया जा सकता, जिनकी जानकारी समाधान प्रक्रिया के दौरान नहीं थी।

होर्मुज जलडमरूमध्य में एलएनजी टैंकर पर हमला, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर एक और गहरा प्रभाव डाला है। दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक धमनियों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य में कतर से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) लेकर जा रहे एक टैंकर पर हमला हुआ है। सिक्योरिटी इंटेलिजेंस फर्मों और शिप ट्रैकिंग डेटा से पता चला है कि इस हमले के कारण टैंकर फंस गया है, जिससे सुपर-चिल्ड फ्यूल की वैश्विक डिलीवरी में और रुकावट आने का खतरा पैदा हो गया है। सिक्योरिटी कंसल्टेंसी वैनगार्ड टेक और मारिस्क ने इस जहाज की पहचान गैसलाग शंघाई एलएनजी टैंकर के तौर पर की है। ओमान तट के पास स्ट्रेट से गुजरते समय इस पर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ।

डालर ने फीकी की सोने-चांदी की चमक, एक हफ्ते में 1600 से ज्यादा टूटा सोना

नई दिल्ली। अमेरिकी डालर की बढ़ती ताकत और ट्रेजरी बान्ड यील्ड में आए उछाल के चलते पिछले हफ्ते

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई इस सुस्ती का असर भारत के सर्राफा और वायदा बाजार पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां 24 कैरेट सोना 1672 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ, जबकि चांदी 6476 रुपए प्रति किलोग्राम टूट गई। सोने-चांदी की कीमतों में रिकार्ड गिरावट पिछले कारोबारी हफ्ते में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने का भाव सोमवार को 1,44,532 रुपए से गिरकर शुक्रवार तक 1,42,860 रुपए पर आ गया, जो कि महज पांच दिनों में 1.15 फीसदी की गिरावट है। इसी तरह, चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट दिखी; सोमवार को 2,24,771 रुपए प्रति किलो बिकने वाली चांदी हफ्ते के अंत तक 2,18,295 रुपए पर आ गई। इस तेज गिरावट ने निवेशकों को हैरान कर दिया है। डालर की मजबूती और फेड के रुख ने बढ़ाया दबाव बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सोने-चांदी की कीमतों में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिकी डालर की बढ़ती ताकत और ट्रेजरी यील्ड में आए उछाल के कारण हुई है। डालर के मजबूत होने से अन्य मुद्राओं वाले निवेशकों के लिए सोना महंगा हो जाता है, जबकि ऊंची ट्रेजरी यील्ड बिना ब्याज वाले सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती है। इसके अलावा, फेडरल रिजर्व के अपेक्षाकृत सख्त रुख और मजबूत श्रम बाजार ने निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कमजोर कर दिया है।

आरबीआई, कच्चे तेल और कंपनियों के नतीजों पर रहेगी बाजार की नजर

इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा

मुंबई

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में करीब 3 फीसदी की मजबूत बढ़त दर्ज करने के बाद, निवेशकों की निगाहें अब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर टिकी हैं, जिसके फैसले 5 अगस्त को आने वाले हैं। इसके साथ ही अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कार्पोरेट नतीजों का नया दौर इस सप्ताह बाजार की अगली दिशा तय करेगा। इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा।

केंद्रीय बैंक के सतर्क रुख से बैंकिंग और ब्याज दर से जुड़े सेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। मध्य-पूर्व के भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के खिलाफ सैन्य हमले रोकने के संकेत से तनाव कम हो सकता है, लेकिन स्ट्रैट आफ होर्मुज में जहाजों पर हमले की खबरों ने वैश्विक बाजारों की चिंता बढ़ाई है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी। ब्रेंट क्रूड में तेजी दर्ज हुई थी और जुलाई में इसने मार्च के बाद सबसे बड़ी मासिक बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें महंगाई की आशंका बढ़ा सकती हैं।

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की गतिविधियां भी बाजार के लिए अहम रहेंगी। लगातार बिकवाली के बाद एफआईआई पिछले तीन सत्रों में शुद्ध खरीदार बने हैं, खासकर मिडकैप और स्मालकैप शेयरों में उनकी दिलचस्पी बढ़ी है। वैश्विक तकनीकी शेयरों का रुझान भी भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकता है, जहां माइक्रोसाफ्ट और अमेजन के मजबूत नतीजों ने भरोसा बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, अप्रैल-जून तिमाही के लिए 573 कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे घोषित करेंगी, जिनमें एसबीआई, भारती एयरटेल और टाइटन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं।

बीते सप्ताह शीर्ष नौ कंपनियों ने 2.5 लाख करोड़ जोड़े, बजाज फाइनेंस सबसे आगे

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले सप्ताह जबरदस्त उछाल देखने को मिला, जिससे शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,51,228.75 करोड़ रुपए की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस तेजी का सबसे बड़ा लाभार्थी बजाज फाइनेंस रहा, जिसकी बाजार हैसियत में सर्वाधिक वृद्धि हुई। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,034.87 अंक यानी 2.67 प्रतिशत चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 616.15 अंक यानी 2.59 प्रतिशत की बढ़त में रहा। इस सकारात्मक रुझान का सीधा असर देश की दिग्गज कंपनियों पर पड़ा। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 80,345.97 करोड़ रुपये बढ़कर 7,10,817.51 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी को जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ में 28 प्रतिशत की वृद्धि से बड़ा फायदा मिला, जिसके बाद उसके शेयर आठ प्रतिशत से अधिक उछले। अन्य प्रमुख लाभान्वित कंपनियों में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 44,959.50 करोड़ रुपये बढ़कर 12,30,005.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने बाजार मूल्यांकन में 40,414.03 करोड़ रुपये की वृद्धि देखी, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की बाजार हैसियत 39,447.35 करोड़ रुपये बढ़कर 17,69,108.79 करोड़ रुपये हो गई। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्यांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

पीएनबी की अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण की तत्काल योजना नहीं : बैंक अधिकारी

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का अपनी अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण का तत्काल कोई इरादा नहीं है। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मजबूत पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) के साथ बैंक का जोर इन कंपनियों की कार्यक्षमता और कारोबार को मजबूत कर उनका मूल्य बढ़ाने पर है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 18 प्रतिशत है, जो नियामक आवश्यकता (11.5 प्रतिशत) से काफी अधिक है और 30 जून, 2026 तक 18.13 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इस मजबूत स्थिति के कारण, बैंक बाजार से अतिरिक्त धन जुटाने की तत्काल योजना नहीं बना रहा है। पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और पीएनबी गिल्ट्स जैसी सभी प्रमुख अनुषंगी कंपनियों की पूंजी की स्थिति अच्छी है और उन्हें फिलहाल अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता नहीं है। बैंक इन कंपनियों को और मजबूत कर भविष्य में अधिकतम मूल्य हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है। चालू वित्त वर्ष में बैंक करीब 5,000 करोड़ रुपये के एटी-1 और टियर-2 बान्ड का भुगतान करेगा, जिससे ब्याज खर्च में लगभग 300 करोड़ रुपये की बचत होगी। उन्होंने अनुमान जताया कि चालू वित्त वर्ष में बैंक का शुद्ध लाभ 20,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकता है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 16,904 करोड़ रुपये था। बैंक लगातार 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का तिमाही मुनाफा दर्ज कर रहा है। विकास को गति देने के लिए बैंक खुदरा, कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) और स्वयं सहायता समूहों को ऋण विस्तार के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में देख रहा है। चालू वित्त वर्ष में ऋण वृद्धि को 12-13 प्रतिशत और जमा वृद्धि को 9-10 प्रतिशत बनाए रखने का लक्ष्य है।

पूंजी पर्याप्तता अनुपात मजबूत, 20,000 करोड़ से अधिक शुद्ध लाभ का अनुमान

बैंक आफ महाराष्ट्र ने आवास ऋण पर ब्याज दर घटाकर सात प्रतिशत किया

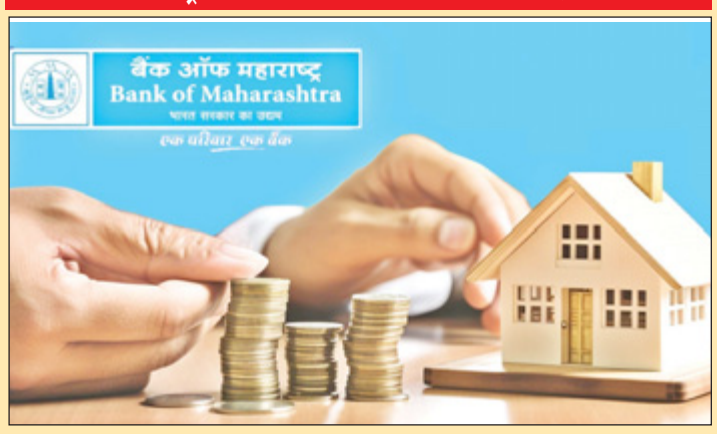

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आफ महाराष्ट्र ने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए अपने आवास ऋण पर ब्याज दरों में कटौती की है। बैंक ने एक सीमित अवधि की विशेष पेशकश मानसून धमाका के तहत होम लोन की ब्याज दर को 7.1 प्रतिशत से घटाकर अब मात्र 7 प्रतिशत कर दिया है। बैंक आफ महाराष्ट्र द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस योजना में केवल कम ब्याज दर ही नहीं, बल्कि ग्राहकों को प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क से भी पूरी छूट दी जाएगी। बैंक ने कहा कि इस विशेष पेशकश का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने में सहायता देना है। बैंक का दावा है कि आवास ऋण पर 7 प्रतिशत और वाहन कर्ज पर 7.45 प्रतिशत की उनकी ब्याज दरें उद्योग में सबसे प्रतिस्पर्धी दरों में शामिल हैं। इन सुविधाओं से ग्राहकों पर मासिक किस्त का बोझ काफी कम होगा। यह नई दरें एक सीमित अवधि के लिए लागू रहेंगी।

मारुति ने जुलाई में रिकार्ड वाहन उत्पादन दर्ज किया, 2.48 इकाई के पार पहुंचा आंकड़ा

जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो इसी महीने के आंकड़े से 33 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने जुलाई में अपना रिकार्ड मासिक उत्पादन दर्ज किया है। जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो पिछले साल के इसी महीने के आंकड़े 1,87,073 इकाई के मुकाबले 33 प्रतिशत अधिक है।कंपनी का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकार्ड मार्च, 2026 में बना था, जब उसने 2,31,933 वाहनों का विनिर्माण किया था।मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि रिकार्ड उत्पादन के बावजूद डीलर नेटवर्क में वाहन का स्टाक सामान्य स्तर से काफी कम है। जुलाई में कंपनी की खुदरा बिक्री 1.78 लाख इकाई रही। उन्होंने कहा कि डीलर नेटवर्क में मौजूदा स्टाक करीब 16 दिन का है, जबकि उद्योग का औसत लगभग 30 दिन का रहता है। कंपनी के पास करीब 1.6 लाख वाहनों की बुकिंग लंबित है। कंपनी ने जुलाई में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की अब तक की सबसे अधिक थोक बिक्री दर्ज की। इस दौरान कंपनी ने 1,96,203 यात्री वाहन बेचे, जो जुलाई, 2025 के 1,37,776 वाहन की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों को शामिल करने पर कुल घरेलू बिक्री 2,00,123 इकाई के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई।

उत्पादन के मामले में कंपनी ने जुलाई में आल्टो और एस-प्रेसो की 13,964 इकाइयों का विनिर्माण किया, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 11,484 इकाई था।वहीं, बलेनो, सेलेरियो और स्विफ्ट जैसे काम्पैक्ट माडल का उत्पादन बढ़कर 1,13,067 इकाई हो गया, जो पिछले वर्ष के समान महीने के आंकड़े 87,950 इकाई से 29 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के लोकप्रिय यूटिलिटी वाहन ब्रेजा, अर्टिगा और फ्रान्क्स का उत्पादन भी तेजी से बढ़ा। जुलाई में इन माडल की 1,02,787 इकाइयों का उत्पादन हुआ, जबकि पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा 70,241 इकाई था। इसमें 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

त्योहारी मांग के बीच किसानों की कम आवक से तेल-तिलहनों के दाम मजबूत

सरकार को एमआरपी और आयातकों की दुर्दशा पर ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह सभी खाद्य तेलों और तिलहनों के दाम में मजबूती दर्ज की गई। आगामी त्योहारों की मांग में तेजी और किसानों द्वारा फसल की आवक घटने से कीमतों में उछाल आया है। फिलहाल घरेलू बिनौला, सरसों और मूंगफली तेल आयातित तेलों की तुलना में महंगे बिक रहे हैं। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसान पहले ही ऊंचे दाम का लाभ ले चुके हैं और अब मौजूदा, हालांकि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर, कीमतों पर अपनी उपज (बिनौला, सोयाबीन, सरसों) बेचने से कतरा रहे हैं, जिससे आवक प्रभावित हुई है। त्योहारों की बढ़ती मांग ने भी इस स्थिति को और मजबूत किया है। सूत्रों ने सरकार से खाद्य तेलों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को नियंत्रित और व्यवस्थित करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इसमें मनमाने ढंग से हेरफेर होता है। उदाहरण के लिए, थोक में सरसों और मूंगफली तेल का दाम लगभग 170 रुपये प्रति किलोग्राम है, लेकिन खुदरा में मूंगफली तेल काफी महंगा मिलता है। सूत्रों के अनुसार, सरसों तेल का एमआरपी 180-185 रुपये प्रति लीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, आयातकों की वित्तीय तंगी के कारण लागत से नीचे दामों पर बिकवाली भी एक बड़ी समस्या है। विशेषज्ञों ने सरसों की बढ़ती मांग के मद्देनजर सरकार को अक्टूबर में आने वाली सोयाबीन और मूंगफली का पर्याप्त स्टाक बनाए रखने की सलाह दी है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश: 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 7,525-7,575 रुपये और 7,375-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 12,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 7,400-7,975 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 50 रुपये के सुधार के साथ 17,150 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 20 रुपये के सुधार के साथ 2,700-3,000 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 75 रुपये के सुधार के साथ 15,775 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 14,575 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।